प्रश्न 1. इस काव्य का आरोह-अवरोहयुक्त समूहगान कीजिए।

- कक्षा के सभी छात्र इस काम को दो-तीन बार ध्यान से पढ़ ले। ये वके अनुसार काय का गान करें।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए ।

(1) आत्मनिर्भर बनने के लिए आप क्या करेंगे?

- आत्मनिर्भर बनने के लिए हम पढ़ाई करेंगे हम अपनी योग्यता के अनुसार कोई काम करेंगे हमारा काम भले छोटा हो, परतु हम उसमे सफल होने की पूरी कोशिश करेंगे।

(2) बेटी पढ़-लिखकर क्या करेगी?

- बेटी पढ़-लिखकर और मेहनत कर अपने पैरों पर खड़ी होगी। बह सारो दुनिया को देखेंगी और समझेगी। इस तरह बेटी आगे बढ़ेगी और दुनिया को दिखा देगी कि वह किसी भी बात में किसी से कम नही है।

(3) बेटी की तरह आप किसी का सहारा बनने के लिए क्या-क्या करेंगे?

- बेटी की तरह में किसी का सहारा बनने के लिए पहले स्वयं को सहारा देने लायक बनाऊँगा। मैं खूब पड़ेगा और फिर धन कमाउँगा। धन से मैं दसरों की मदद करूंगा। मैं गरीब विद्यार्थियों की पढ़ाई लिखाई में पूरी मदद करूगा। लाचार मरीजो के इलाज का प्रबंध करुंगा। बेरोजगारों को कोई न-कोई काम दिलाकंगा। इस तरह दूसरों को सहारा देने की मैं पूरी कोशिश करूगा ।

(4) बडे होकर आप क्या बनना चाहते है? क्यों ?

- बढ़ा होकर मैं अपगों का डॉक्टर बनना चाहता हूँ। मैं देखता हूँ कि तरह-तरह की दुर्घटनाओं के कारण देश में अपगो की संख्या बढ़ती जा रही है। लाचार अपंग अपना ठीक से इलाज भी नहीं करा सकते । बहुत-से अपगों को भीख मांगकर पेट भरना पड़ता है। समाज में अपगो को कोई सम्मान नहीं देता। वे बेचारे आंसुओं के धूट पीकर जीते हैं। मेरा प्रयत्न होगा कि अपंगों की अपंगता मिट जाए और वे भी अपने बल पर जी सकें।

(5) आप जीवन में क्या करना चाहते है?

- मैं जीवन में समाज और देश की सेवा करना चाहता हूँ। मैं लोगों को बुरे व्यसनों से छुटकारा दिलाऊँगा। जाति-पाति का भेद मिटाकर सबको समता का पाठ पढ़ाऊँगा। देश में बढ़ रही बेईमानी और भ्रष्टाचार मिटाऊंगा। मैं एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहता है। मैं अपने देश की जनता को सुखी बनाना चाहता हूँ।

प्रश्न 3. बॉक्स में दिए गए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में से शब्दकोश के क्रम में पत्तियों में लिखिए :

मिसाल, गर्व, अम्बर, शान, कष्ट

- **अर्थ** : उदाहरण, अहकार, आकाश, प्रतिष्ठा, अहंकार

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों को उदाहरण के अनुसार उचित क्रम में अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

उदाहरण : शब्द : चाहिए. का, प्रसार, घर-घर, होना, में, शिक्षा।

वाक्य : घर-घर में शिक्षा का प्रसार होना चाहिए।

(1) पेड़, भारत, का, की, है, मूलतः, नीम, धरती।

(2) नीम, है, दातुन, श्रेष्ठ, की, होती, दातों, लिए, के।

(3) दीया, जलाकर, दिया, रख, में, अगन।

(4) अधीरता, दिखानी, हमें, में, नहीं, खाने, चाहिए।

(5) विनम्रता, चाहिए, व्यवहार, हमारे, में, होनी, भी।

उत्तर :

(1) नीम मूलतः भारत की धरती का पेड़ है।

(2) दांतों के लिए नीम की दातुन श्रेष्ठ होती है।

(3) दीया जलाकर ऑगन रख दिया।

(4) हमें खाने में अधीरता नहीं दिखानी चाहिए।

(5) हमारे व्यवहार में विनम्रता भी होनी चाहिए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) बेटी सहारा बनने के लिए क्या-क्या करेगी?

- बेटी सहारा बनने के लिए पढ़-लिखकर आगे बढ़ेगी। वह अपन पर खड़ी होगी इस तरह सहारा बनने के पहले बेटी अपने को सहारा देने बनाएगी।

(2) बेटी दुनिया को कैसे समझना चाहती है?

- बेटी मेहनत कर पढ़ाई करेगी और अपनी बुद्धि का विकास करेगी। यह लोगों के कार्यों और व्यवहारों को देखेगी। इस तरह बेटी दुनिया को समझना चाहती है।

(3) बेटी तितली बनकर क्या करना चाहती है?

- बेटी तितली बनकर बागों में घूमेगी और हवा को चूमेगी वह मस्त होकर नाचेगी और गाएगी। इस तरह तितली बनकर बेटी जीवन की स्वतंत्रता का आनंद लेना चाहती है।

(4) बेटी की क्या-क्या तमन्नाएं है?

- उत्तर : बेटी तारा बनना चाहती है। यह धरती पर चाँद की तरह चमकना चाहती है। उसकी इच्छा दुनियारूपी बाग में खिलनेवाला फूल बनने की है। वह तितली बनकर हवा को चूमना चाहती है। इस तरह बेटी के दिल में कई तरह की तमन्नाएं हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का भावार्थ लिखिए:

(1) गगन पे चमके चंदा, मैं धरती पे चमकेगी,
धरती पर चमकूगी, मैं उजियारा करूंगी....

भावार्थ : जिस तरह आकाश में चाँद चमकता है, उसी तरह मैं धरती पर चमकूंगी और चारों ओर अपना प्रकाश फैला - चारों और मेरा यश फैलेगा।

(2) पढूंगी-लिखूगी मै मेहनत करूंगी,
अपने पाव चलकर मै दुनिया को देखूगी

दुनिया को देखूंगी मैं दुनिया को समझूंगी।

- **भावार्थ** : मैं पढ़ूंगी, लिखूगी और मेहनत कर आगे बढ़ूगी। मैं आत्मनिर्भर बनूंगी। पढ़-लिखकर मैं दुनिया के व्यवहारों को देखूंगी और समझूंगी।

प्रश्न 3. उदाहरण के अनुसार विलोम शब्द का प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : सफल x असफल

वाक्य-प्रयोग :

(1) तेनसिंग एवरेस्ट पर पहुँचने में सफल हुए।

(2) कई बार मेहनत करने पर भी आदमी असफल होता है।

शब्द : (1) आकाश (2) उजियारा (3) इधर (4) भलाई (5) पाना

उत्तर : (1) आकाश x धरती

वाक्य-प्रयोग:

(1) देखते-हो-देखते विमान आकाश में पहुंच गया।

(2) या सुरक्षित रूप से धरती पर उतर आए।

(2) उजियारा x अधियारा

वाक्य-प्रयोग :

(1) सुबह उजियारा होते हो हम काम में लग गए।

(2) शाम को अधियारा होते ही हम घर लौट आए।

(3) इधर x उधर

वाक्य-प्रयोग :

(1) आप इधर बैठिए।

(2) वे उधर बैठेंगे।

(4) भलाई x बुराई

वाक्य-प्रयोग :

(1) संत सबके साथ भलाई करते हैं।

(2) दुष्टों को दूसरों की बुराई करने में मजा आता है।

(5) पाना x खोना

वाक्य-प्रयोग :

(1) सफलता पाना सबको अच्छा लगता ।

(2) कभी-कभी जो अच्छा लगता है, उसीको खोना पड़ता है।

प्रश्न 4. उदाहरण के अनुसार वचन-परिवर्तन करके वाक्य में प्रयोग कीं उदाहरण : घोड़ा - घोड़े

वाक्य-प्रयोग : (1) घोड़ा दौड़ रहा है।

(2) घोड़े दौड़ रहे हैं।

शब्द : (1) मैं (2) बच्चे (3) खिलौना (4) खेत

(1) **मैं -हम**

वाक्य-प्रयोग (I) मैं पढ़ रहा हूँ।

(2) हम पढ़ रहे हैं।

(2) **बच्चे-बच्चा**

वाक्य-प्रयोगः (1) बच्चे खेल रहे हैं।

(2) बच्चा खेल रहा है।

(3) **खिलौना - खिलौने**

वाक्य-प्रयोग : (1) खिलौना सुंदर है।

(2) खिलौने सुंदर हैं।

(4) **खेत -खेत**

वाक्य-प्रयोग : (1) खेत हरा-भरा है।

(2) खेत हरे-भरे हैं।

भाषा-सज्जता

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :

(1) केशा **साहसी** बालिका थी।
(2) बगीचे में **सुन्दर** फूल खिले थे।
(3) भारत ने श्रीलंका को **तीन** विकेट से हराया।
(4) बाल्टी में **थोड़ा-सा** पानी है।
(5) वह आदमी जा रहा था।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'साहसी', 'सुन्दर', 'तीन', 'थोड़ा-सा' और वह' संज्ञा की विशेषता बताते हैं।

जो शब्द संज्ञा की विशेषता बताता है, उसे '**विशेषण**' कहते हैं।

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :

(1) हमारे देश में **ईमानदार** लोग ज्यादा हैं।
(2) मुंबई जाने के लिए **लंबा** रास्ता तय करना पड़ता है।
(3) कौए का रंग **काला** होता है।
(4) खरगोश का शरीर **मुलायम** होता है।
(5) शरीर के साथ मन **स्वस्थ** रखना जरूरी है।
(6) **भारतीय** संस्कृति विश्व में प्रसिद्ध है।
(7) पानी **गधहीन** होता है।
(8) **पूर्व** दिशा में सूर्योदय होता है।

उपयुक्त वाक्यों में ईमानदार' 'लबा', 'काला', 'मुलायम', 'स्वस्थ','भ) 'गधहीन' 'पूर्व' शब्दों को रेखांकित किया गया है ये शब्द सज्ञा के आकार, रंग-रूप, स्पर्श, दशा-अवस्था, स्थान देश-काल, स्वाद-गंध और ।

प्रदर्शित करते हैं । जिस शब्द से संज्ञा का गुण-दोष, आकार, रंग-रूप, स्पर्श, दशा-अवस्था, ३ देश-काल, स्वाद-गध और दिशा का बोध होता हो, उसे 'गुणवाचक विशेष कहते हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से गुणवाचक विशेषण छांटकर में लिखिए:

(1) वरदराज चतुर बालक था। **[चतुर]**
(2) फूल-बाजार में पीले गुलाब मिलते है। **[पीले]**
(3) मिर्च का स्वाद तीखा होता है। **[तीखा]**
(4) शहरों में पंजाबी खाना मिलता है। **[पंजाबी]**
(5) सफेद कपड़ों में दाग तुरत दिखाई **[सफेद]**

(अ) निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :

(I) प्रयाग **तीन** नदियों का संगम- स्थान है
(2) आज केवल **आधा** लिटर दूध चाहिए।
(3) गौरव **तीसरी** कक्षा में पढ़ता है।
(4) सचिन वनडे में **दुहरा** शतक लगा चुके हैं।
(5) हमारे देश की **चारों** दिशा रक्षित हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'तीन', 'आधा', 'तीसरी', 'दुहरा', 'चारों' आदि शब्दों को रेखांकित किया गया है। ये शब्द पूर्णांक, अपूर्णांक, क्रमवाचक, आवृत्तिवाचक और समूहवाचक संख्या का बोध कराते हैं।

जिस शब्द से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध होता हो, उसे 'निश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

(ब) निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :

(1) **कई** लोग नर्मदा की परिक्रमा करते हैं।
(2) **कुछ** लड़कों ने पर्यावरण बचाने का बीड़ा उठाया है।
(3) **ज्यादा** लोग बैठने से नाव उलट गई।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कई', 'कुछ' और 'ज्यादा' शब्दों को रेखांकित किया गया ये शब्द अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं।

जिस शब्द से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध न हो. उसे 'अनिश्चित है। संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों में से निश्चित संख्यावाचक और अनिधि संख्यावाचक विशेषण छाँटकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(1) कई (2) थोड़ा (3) पचास (4) ढाई (5) बहुत (6) (7) चौगुना (8) चौधा (9) ज्यादा (10) चारा

उत्तर : निश्चित संख्यावाचक विशेषण : पचास, ढाई, चौगुना, चौथा, चार अनिश्चित **संख्यावाचक विशेषण** : कई, थोड़ा, बहुत, कुछ, ज्यादा.